Chaudhary Devi Lal University
Sirsa (Haryana)

(Established by State Legislature Act 9 of 2003)
" B " Grade Accredited by NAAC

DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS

M.A. IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

SEMESTER : II

Duration : Two Years

Eligibility : Graduation

2017 Onwards

द्वितीय सैमेस्टर						
मूल पाठ्यक्रम						
Sr. No.	Core	Paper Name	Credits	Theory	Internal Assessment	Total Marks
1	प्रथम पाठ्यक्रम	भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा – द्वितीय	4	70	30	100
2	द्वितीय पाठ्यक्रम	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त	4	70	30	100
3	तृतीय पाठ्यक्रम	हिन्दी कथेतर साहित्य	4	70	30	100
4	चतुर्थ पाठ्यक्रम	भक्ति एवं रीतिकालीन काव्य	4	70	30	100
वैकल्पिक पाठ्यक्रम						
5	प्रथम वैकल्पिक पाठ्यक्रम	कबीरदास : एक विशेष अध्ययन	4	70	30	100
6	द्वितीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम	सूरदास : एक विशेष अध्ययन	4	70	30	100
7	तृतीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम	तुलसीदास : एक विशेष अध्ययन	4	70	30	100
मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम						
1	प्रथम मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	70	30	100

Total credits required: 100 -112 (one credit = I hour)

Minimum attendance required : 75%

Open Elective: minimum credits required: 10-12 (students of this dept. will opt. for open elective from other departments.

Students must submit their option for open elective course(s) within a week after the commencement of classes of first semester to the Chairperson of their department/Principal of the College, For 2nd /3rd/ 4th semester, they must submit their option for open elective course(s) at the end of 1st/2nd/3rd semester, respectively.

The continuous evaluation for theory and practical course shall be as under:

(A) Theory Course Component	Weightage (4 Credits)	Weightage (3 Credits)	Weightage (2Credits)	Evaluation
Mid-term Exam	20	15	10	Internal
Assignment	05	05	05	Internal
Class Attendance	05	05	05	Internal
End-term Exam	70	50	30	External
Total	**100**	75	**50**	

Mid Term Examination: From first II units; October1-10 for odd Semesters and March 1-10 for even semester

The students must obtain at least 40 percent marks in external examination.

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

प्रथम

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – द्वितीय

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15x4=60

खण्ड–एक

प्राचीन भारतीय भाषाविज्ञान का इतिहास : पाणिनि पूर्व, पाणिनि कालीन एवं पाणिनि परवर्ती, शिक्षा, प्रातिशाख्य, यास्क, कात्यायन, निरुक्त, पतंजलि, भर्तृहरि, आधुनिक हिंदी भाषाविज्ञान का इतिहास।

खण्ड–दो

मानक हिंदी की ध्वनियाँ, मानक हिंदी और खड़ीबोली में अंतर, हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था, हिंदी राजभाषा के रूप में, राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में हिंदी का योगदान।

खण्ड–तीन

हिंदी की व्याकरणिक संरचना : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रियाविशेषण, लिंग, वचन, कारक, अव्यय, निपात।

हिंदी में शब्द–संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि एवं समास ।

खण्ड–चार

हिन्दी प्रचार प्रसार आन्दोलन में विभिन्न व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान, हिन्दीतर भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय – मराठी, गुजराती, बंगला, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगू, कन्नड़, असमी व मलयालम।

पुस्तक सूची –

1. सामान्य भाषाविज्ञान–बाबूराम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान की भूमिका–देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषाविज्ञान–वैश्ना नारंग
4. हिन्दी शब्दानुशासन–किशोरीदास वाजपेयी
5. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना– वासुदेव नंदन प्रसाद
6. हिन्दी भाषा का इतिहास– धीरेन्द्र वर्मा

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

द्वितीय

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15x4=60

खण्ड–एक

काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

खण्ड–दो

रस सिद्धान्त : भरतमुनिसूत्र, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति संबंधी चार आचार्यों के मत, रस के अंग (अवयव / तत्त्व), सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण ।

खण्ड–तीन

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार–संबंधी आचार्यों के मत, अलंकार–भेद, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अलंकार्य।

रीति सिद्धान्त : रीति–संबंधी वामन की स्थापनाएँ, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।

खण्ड–चार

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति–संबंधी कुंतक की स्थापनाएँ, वक्रोक्ति के भेद एवं उपभेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि–संबंधी आनंदवर्द्धन की स्थापनाएँ, ध्वनि के भेद एवं उपभेद, ध्वनि के आधार पर काव्य भेद।

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य–संबंधी क्षेमेन्द्र की स्थापनाएँ, औचित्य के भेद एवं उपभेद।

पुस्तक सूची –

1. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र– योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र– सत्यदेव चौधरी
4. रस सिद्धान्त– नगेन्द्र
5. काव्य के तत्व– देवेन्द्रनाथ शर्मा

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम
तृतीय
हिन्दी कथेतर साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल :'चिंतामणि'(भाग–एक) से दो निबंधः–"श्रद्धा एवं भक्ति", "भाव या मनोविकार", "कविता क्या है", "उत्साह", "लज्जा और ग्लानि"

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : "अशोक के फूल" संकलन से दो निबंध :– "अशोक के फूल", "मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है", "वसन्त आ गया है", "नया वर्ष आ गया है", "पुरानी पोथियाँ"

खण्ड–दो

बालमुकुंद गुप्त : शिवशंभू का चिट्ठा

खण्ड–तीन

हरिवंशराय बच्चन : क्या भूलूँ क्या याद करूँ

खण्ड–चतुर्थ

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. हिंदी जीवनी साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन– भगवान दास भारद्वाज
2. आ0 रामचन्द्र शुक्ल– कृष्ण दत्त पालीवाल एवं जय सिंह 'नीरज'
3. आ0 रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना– रामविलास शर्मा
4. आलोचक रामचन्द्र शुक्ल– गुलाब राय
5. निबंधः सिद्धान्त और प्रयोग– हरिहरनाथ द्विवेदी।

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

चतुर्थ

भक्ति एवं रीतिकालीन काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

कबीर : कबीर वाणी (आरंभिक चालीस साखी एवं आरंभिक दस पद), संपादक पारसनाथ तिवारी, राका प्रकाशन, इलाहाबाद

जायसी : पद्मावत, वासुदेवशरण अग्रवाल (संपादक), मानसरोवर खण्ड, नागमती वियोग खंड, गोरा–बादल खण्ड

खण्ड–दो

सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 30 पद), सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

तुलसीदास : कवितावली (केवल उत्तरकाण्ड)

खण्ड–तीन

रीतिकाव्य संग्रह, संपादक विजयपाल सिंह, प्रकाशन लोक भारती, इलाहाबाद

देव के आरम्भिक 12 पद, भूषण के आरंभिक 12 पद, घनानंद के आरंभिक 12 पद एवं बिहारी के आरंभिक 50 दोहे।

खण्ड चार

तीनों खण्डों पर आधारित काव्य की सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ० रामचन्द्र शुक्ल
2. त्रिवेणी– आ० रामचन्द्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर– आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. रीतिकाव्य की भूमिका– नगेन्द्र
6. देव और उनकी कविता– नगेन्द्र
7. बिहारी– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. घनानन्द कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Dhaman

वैकल्पिक पत्र
प्रथम
कबीरदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

कबीर ग्रंथावली से सम्पूर्ण दोहे, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)

खण्ड–दो

कबीर ग्रंथावली से आरंभिक 20 रमैणी, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) ।

खण्ड–तीन

कबीर ग्रंथावली से आरंभिक तीस पद, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) ।

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित काव्य की सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बरदत्त बडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ
2. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह
4. कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
7. संत कबीर – सं. रामकुमार वर्मा
8. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
9. हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
10. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
द्वितीय
सूरदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

सूरसागर सार, संपादक धीरेन्द्र वर्मा से विनय एवं भक्ति के पद

खण्ड–दो

सूरसागर सार, संपादक धीरेन्द्र वर्मा से गोकुल एवं वृन्दावन लीला के पद

खण्ड–तीन

सूरसागर सार, संपादक धीरेन्द्र वर्मा से भ्रमरगीत के पद

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित काव्य की सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. सूरदास – सं. हरबंसलाल शर्मा
2. सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरबंसलाल शर्मा
3. सूर की साहित्य साधना – डॉ. भगवतस्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
5. मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
6. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – भाग 1 तथा 2 – डॉ. दीनदयाल गुप्त
7. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. मुंशीराम राय
8. सूरदास – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
9. सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
11. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
12. अष्टछाप परिचन्द – प्रभु दयाल मित्तल
13. सूर की काव्यमाला – मनमोहन गौतम

Dey Dhamani

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
तृतीय
तुलसीदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

रामचरितमानस का सुन्दरकाण्ड, प्रकाशक गीता प्रेस, गोरखपुर

खण्ड–दो

विनय पत्रिका के निम्नलिखित पद–1,30,31,32,36,45,76,79,84,87,88,89,90,91,92,94,101,105,111,112

खण्ड–तीन

कवितावली के विभिन्न काण्डों से निम्नलिखित पद:

बालकाण्ड : 1, 2, 4 और 17

अयोध्याकाण्ड : 1, 2, 6, 7 ,8, 11, 12, 19, 20, 21 और 22

सुन्दरकाण्ड : 30 और 32

उत्तरकाण्ड : 29,30,31,35,36,47,50,55,56,57,62,72,85,97 और 108

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या।

पुस्तक सूची –

1. तुलसी दर्शन मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
2. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
3. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत – वचनदेव कुमार
4. तुलसीदास की भाषा – देवकीनन्दन श्रीवास्तव
5. तुलसी–रसायन – भागीरथ मिश्र
6. भक्ति का विकास – मुंशी राम शर्मा
7. रामकथा :उत्पत्ति और विकास – कामिल बुल्के
8. तुलसी दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र
9. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
10. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
11. तुलसी की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन – डॉ. श्रीधर सिंह
12. तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम – डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा
13. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारी प्रसाद द्विवेदी
14. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य – शिव कुमार मिश्र
15. भक्ति काव्य और समाज दर्शन – प्रेम शंकर

मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम
प्रथम
प्रयोजनमूलक हिन्दी

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देष :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15x4=60

खण्ड–एक

प्रयोजनमूलक हिन्दी – अर्थ, अवधारणा व स्वरूप

प्रयोजनमूलक हिन्दी व उसके विविध रूप

राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान – अनु. 343 से 351 तक

खण्ड–दो

दृश्य श्रव्य माध्यमों का परिचय, पत्र लेखन – स्वरूप, प्रकार व प्रारूप, आवेदन पत्र, नियुक्ति पत्र, मांग पत्र,

सरकारी पत्राचार – स्वरूप, प्रकार, प्रारूप, परिचय, ज्ञापन, कार्यालय।

खण्ड–तीन

पत्रकारिता स्वरूप भेद, सम्पादक के गुण, प्रेस सम्बन्धी कानून।

वाणिज्य व व्यवसायिक पत्र लेखन, कार्यालयी हिन्दी

वाणिज्यिक पत्र, व्यवहार में अन्तर, प्रस्तावों के पत्र प्रस्तुत करना।

खण्ड–चार

विज्ञापन और अनुवाद की प्रक्रिया का परिचय– क्षेत्र, विस्तार और महत्व, भाषा और उपयुक्त विशेषण, अभिव्यक्ति की प्रभावशीलता, एक अच्छे प्रतिलेखक के गुण।

पुस्तक सूची –

1. प्रशासनिक हिन्दी– महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी– दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
5. आधुनिक विज्ञापन– प्रेमचंद पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. राजभाषा हिन्दी– कैलाशचन्द्र भाट्या, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी और काव्यांग– डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली